32 PAGES ANSWER BOOK

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

विषय Subject : HINDI

विषय कोड Subject Code : 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam : 020323

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper : ENGLISH

प्रश्न पत्र का सेट Set of the Question paper : C

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :- ● ○ ○ ○
गलत तरीका :- ⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :- इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में : अंकों में

Oddy
Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
www.oddyindia.com

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
003	

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO. 6594215
SUB. 051 - HINDI
Bag 60511085
pk: 4

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1
उत्तर

(i) नाभिक

(ii) शब्दालंकार

(iii) चार कालों में

(iv) कपड़े पहनाती हैं

(v) पैसे की

(vi) दत्ताजी राव के यहाँ

BSE

प्रश्न क्रमांक 2
उत्तर

(i) सरल वाक्य

(ii) मात्रिक

(iii) लेखक

(iv) नौ वर्ष की उम्र

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

(v) बिहारी

(vi) कागज के पहने

(vii) बिड़ला मंदिर

प्रश्न क्रमांक 3
उत्तर

3(i) चौपाई छन्द - 16 मात्राएँ

(ii) चित्रकार - चितेरा

(iii) सम्पादकीय पृष्ठ - अखबार की अपनी आवाज

(iv) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग - भक्तिकाल

(v) छायावाद के प्रवर्तक कवि - जयशंकर प्रसाद

(vi) मस्ती का संदेश - हरिवंशराय बच्चन

प्रश्न क्रमांक 4
उत्तर

(i) रेडियो नाटकों में पात्रों की पहचान संवादों एवं ध्वनि प्रभाव के माध्यम से होती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) सिन्धु घाटी सभ्यता में अंगूर एवं खजूर उगाए जाते थे।

(iii) ढोलक की आवाज मृत-गाँव में संजीवनी शक्ति भरती थी।

(iv) चन्द्रगुप्त जयशंकर प्रसाद की नाट्य रचना हैं।

(v) कवि ने स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलने की बात कही हैं।

(vi) सोरठा छन्द मात्राओं की दृष्टि से दोहा छन्द का उल्टा होता हैं।

(vii) मुहावरा।

प्रश्न क्रमांक 5
उत्तर

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDO

सत्य

(vii)

प्रश्न क्रमांक - 6
उत्तर

'आनंद यादव' कृत 'जूझ' उपन्यास में लेखक के पिता आनन्दा को पाठशाला नहीं भेजना चाहते थे। उन्होंने आनन्दा की पढ़ाई छुड़ाकर उसे खेत के काम में लगा दिया था। दत्ता जी राव सरकार के द्वारा कहने पर वह (लेखक) आनंदा को पाठशाला भेजने तैयार हुए। उन्होंने निम्नलिखित शर्तें लिख रखी :-

* सुबह घर से खेत के लिए बैग लेकर निकलना होगा और ग्यारह बजे वहाँ से सीधे विद्यालय जाना होगा।
* विद्यालय से आकर घर में बस्ता रखकर तुरन्त खेत जाना होगा व खेत में पानी, पशुओं आदि को चराना होगा।
* जिस दिन खेत में ज्यादा काम हो स्कूल में गैरहाजिरी देनी होगी।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 7
उत्तर

नए एवं अप्रत्याशित विषयों पर लेखन अर्थात ऐसे किस विषय पर लेखन जिससे हम पहले कभी ... हो।

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन से छात्रों

प्र. न. क्र.

में निम्न गुण विकसित होते हैं :-

(1) छात्रों की तार्किक शक्ति का विकास होता है।

(2) छात्रों का मनोबल बढ़ता है व नए-नए विषयों पर लेखन से विचार विकसित होते हैं।

प्रश्न क्रमांक 8
उत्तर

B S E

वीर रस की परिभाषा :-
"जब सहृदय के हृदय में विभाव, अनुभाव और संचारी भाव के संयोग से 'उत्साह' नामक स्थायी भाव की उत्पत्ति होती है, वहाँ वीर रस उत्पन्न होता है।"

ण :- बुन्देलों हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी

— सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न क्रमांक 9
उत्तर

कवित्त छन्द की परिभाषा :-
"कवित्त एक वर्णिक छन्द है।

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

क्र.

इसके प्रत्येक चरण में 31-33 वर्ण होते हैं। 16-15 वें पर यति होती हैं। अंत में गुरु मात्रा भी विद्यमान रहती हैं।

उदाहरण:-

काजर आँख का आसूँ बना री,
असु जाकर मथ्या लगा री।
हाथ की मेंहदी फीकी पड़ी परी,
पाँव महावर छूट गया री।।
काहे वियोग मिला अइसा,
मछरी जैसे जइसे तड़पे जिया री।
आए पिया नहीं बीते कई दिन,
जोहत बाट खड़ि दुखियारी।।

प्रश्न क्रमांक - 10
उत्तर / अथवा

राष्ट्रभाषा की विशेषताएँ:-

(1) राष्ट्रभाषा संविधान द्वारा स्वीकृत शब्द हैं। हमारे देश की संपर्क भाषा को राष्ट्रभाषा कहते हैं।

(2) यह जन - जन की भाषा हैं जिसका क्षेत्र विस्तृत होता हैं।

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11
उत्तर

(i) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

(ii) जंगल में शेर दहाड़ने लगा।

प्रश्न क्रमांक 12
उत्तर

B S E

'छोटा मेरा खेत चौकोना' में कवि 'उमाशंकर जोशी' ने शब्द या विचार रूपी बीज बोया था व उसी बीज पर कल्पना रूपी खाद प्रदान कर साहित्यिक कृति का निर्माण करता है, जो युगों-युगों तक रसिक श्रोताओं को आनन्दित है।

प्रश्न क्रमांक 13
उत्तर / अथवा

'लक्ष्मण मूर्छा और राम विलाप' अध्याय में लक्ष्मण जी को का मेघनाद द्वारा शक्ति लगने पर उनके लिए संजीवनी बूटी लेने हनुमान जी गये थे। वे बूटी के स्थान पर सुरक्षित होने से पहले पूरा पहाड़ ही उठा लाये। वैद्य सुषैन द्वारा लक्ष्मण का उपचार किया गया व हनुमान जी जहाँ से उन्हें लाए थे वहीं वापस छोड़ आये।

प्रश्न क्रमांक - 14
उत्तर

जेब के भरे होने और मन के खाली होने पर 'जैनेन्द्र कुमार' जी ने बताया है कि मन बाजार की वस्तुओं की ओर आकर्षित होता है।

जब जेब भरा हो और मन खाली हो तो बाजार का आमंत्रण व्यक्ति तक स्वयं पहुंच जाता है। आवश्यकताओं का ज्ञान न होने पर व पर्चेजिंग पावर के ... प में अनावश्यक वस्तुएं खरीद लेता है।

प्रश्न क्रमांक 15
उत्तर / अथवा

'भक्तिन' पाठ में महादेवी वर्मा ने स्वयं व भक्तिन के बीच सेवक - स्वामी के संबंध को नकारा है।

इसका कारण यह है कि ऐसा का स्वामी के असन्तुष्ट होने पर वह सेवक को अपनी सेवा से हटा सकता है किंतु भक्तिन को लेखिका नहीं हटा सकती थी और ऐसा कोई सेवक भी नहीं होता जो सेवा से हटाये जाने ... आदेश पर स्वामी पर अवज्ञा से हंस दे।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16
उत्तर / अथवा

"धर्मवीर भारती"

जन्मस्थल - इलाहाबाद

युग - शुक्लोत्तर युग

(i) दो रचनाएँ
→ अंधा युग
→ गुनाहों का देवता (उपन्यास)

(ii) भाषा- शैली

• भाषा :- नवीन शिल्प के लेखक होने के कारण धर्मवीर भारती जी की कोई विशेष भाषा न होकर स्वयं की भाषा है। इनके काव्यों में साहित्यिक खड़ी बोली दृष्टव्य है।

इन्होंने अंग्रेजी (कैमरा) तत्सम तद्भव देशज (छज्जे - बारजे) आदि भाषाओं के शब्दों को अपके काव्य में स्थान दिया। यथा राजा तथा प्रजा जैसे लोकोक्ति व कई मुहावरों का प्रयोग भी किया।

• शैली :- धर्मवीर जी ने अपनी रचनाओं में निम्न शैलियों का प्रयोग किया-

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

ल क्र.

(1) मनोवैज्ञानिक शैली (2) भावात्मक शैली (3) चित्रात्मक शैली (4) वर्णनात्मक शैली

(1) मनोवैज्ञानिक शैली :- इनकी रचनाओं को पढ़ने से ज्ञात होता है कि इन्हे मानव मन के अंर्तमन की झाँकी सी प्रस्तुत की व अपने हृदय के भावों को ही निकाल कर रख दिया।

(2) भावात्मक शैली :- धर्मवीर भारती जी ने रचनाओं ने भावों की अभिव्यक्ति दी है।

(3) चित्रात्मक शैली :- किसी वस्तु, घटना का ब वर्णन करते समय इन्होंने चित्र - सा प्रस्तुत किया है।

(4) वर्णनात्मक शैली :- धर्मवीर भारती जी ने विषयों के वर्णन को सरस एवं सरल ढंग से प्रस्तुत करने में इस शैली का प्रयोग किया।

साहित्य में स्थान :- आपके द्वारा प्रकाशित 'धर्मयुग' पत्रिका एक किंवदंती थी। 'गुनाहों का देवता' सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तकों में से एक है। हिन्दी साहित्य के जगत में आपका अप्रतिम एवं अविस्मरणीय स्थान है। हिन्दी साहित्य को शिखर तक पहुँचाने में आपका योगदान अतुलनीय है।

B
S
E

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17
उत्तर / अथवा

क्रिकेट के खेल विषय पर दो मित्रों में संवाद -

पात्र :- (1) राम
(2) मोहन

राम: मित्र कैसे हैं?
मोहन : मैं ठीक हूँ। तुम बताओ।

राम: मैं बढ़िया हूँ। सोच रहा था, बहुत दिनों से क्रिकेट नहीं खेली।
मोहन : मन तो मेरा भी है। पर खेलेंगे कहाँ?

राम : हम लोग अपने और साथियों के साथ सामुहिक प्ले ग्राउंड में कल शाम को खेल सकते हैं।
मोहन : ठीक है। मैं भी तैयार रहूँगा।

राम : चलो, तो कल 5 बजे तय रहा।
मोहन : बिल्कुल।

BSE

ST-16A4

प्रश्न क्रमांक - 18
अथवा

हास्य - व्यंग्य ------------ हँसना सीखें।

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्र.

प्रश्न :- उत्तर

(क)

उ० ⇒ 'हास्य का महत्व' - शीर्षक

(ख)

उ० ⇒ हास्य - व्यंग्य नीरस जीवन को सुखद बना देता है।

(ग)

उ० ⇒ हास्य को इस गद्य में जीने का माध्यम बताया गया है। मनुष्य के जीवन में अनेकों कठिनाइयाँ हैं, इन कष्टों को भूलने व आराममयी ज़िंदगी बिताने का सबसे अच्छा व सरल साधन हँसी है।

प्रश्न

+ =

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ   कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 19
उत्तर / अथवा

'तुलसीदास'

युग - भक्तिकाल की सगुण भक्तिधारा के कवि
जन्म - 1532 बाँदा (उ.प्र.)
मृत्यु - 1623

B
S
E

(i) दो रचनाएँ
→ विनय पत्रिका।
→ कवितावली गीतावली।
→ रामचरितमानस।

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष

• भावपक्ष -
→ राम चरित्र की प्रधानता
→ रस योजना
→ भक्ति - भावना

(1) राम चरित्र की प्रधानता :- तुलसीदास जी के जीवन का आधार राम हैं। वे राम का गुनगान करने वाले साहित्य को उच्च मानते हैं। पार्वती मंगल, हनुमान बाहुक को छोड़कर सभी काव्य राममय हैं। वे कहते हैं कि :-

'राम बोला नाम है राम नाम साहि कौं'।

(2) भक्ति - भावना :- उन्होंने अपनी भक्ति के उदार रूप को दुर्गा,

गणेश आदि का पूजा करके बखान किया है तुलसीदास दीन जी ने नवधा भक्ति का भी वर्णन किया। प्रेमाशक्ति पर बल देते हुए लिखा दिया हैं।

एक आस एक विश्वास
एक घनश्याम एक हित,
चातक तुलसीदास।

(iii) रस - योजना :- इनके काव्यों में शान्त रस विद्यमान हैं, कवितावली 'कवित्त छंद' में हैं। रामचरितमानस अवधी भाषा में रचित हैं। लंका काण्ड में वीर, रौद्र, वीभत्स रस की उत्पत्ति हुई। लक्ष्मण परशुराम विवाद में वीर एवं रौद्र रस हैं। राम वनागमन में करुण रस का संचार हुआ।

कलापक्ष :-

(i) भाषा :- इनकी भाषा प्रायः अवधी व ब्रज थी। इन्होंने अपने काव्यों में शास्त्रीय संगीत का भी उपयोग किया। कवितावली, दोहावली की रचना ब्रजभाषा में की गई। रामचरितमानस की भाषा अवधी है।

(ii) शैली :- सभी पूर्ववर्ती कवियों की शैलियों को इनके काव्य में स्थान दिया गया जिनसे काव्य में चमत्कार उत्पन्न हुआ और चार चाँद लग गये। गद्यात्मक व चित्रात्मक शैली का प्रयोग हुआ।

(iii) अलंकार :- स्वरमैत्री, पदमैत्री, श्लेष, अनुप्रास

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

यमक आदि अलंकारों का काव्य में स्थान हैं।

(iv) छंद :- इन्होंने दोहा, चौपाई, सोरठा, कवित्त, सवैया आदि छंदों का उपयोग किया।

(iii) साहित्य में स्थान :- तुलसीदास जो लोक कवि थे। "सूर-सूर तुलसी ससि" कहने में कोई अभिव्यक्ति नहीं है। हिंदी जगत में अप्रतिम स्थान रखने वाले जननायक कवि ने हिंदी साहित्य में अविस्मरणीय योगदान दिया। आप हिंदी जगत में हमेशा पूज्यनीय होंगे।

BSE

प्रश्न - 20
उत्तर

एक बार - - - - - - - - - - - - दे दी।

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' के 'पहलवान की ढोलक' नामक पाठ से अवतरित है जिसके लेखक 'फणीश्वरनाथ नाथ रेणु' जी हैं।

प्रसंग → इस गद्य में पहलवान के व्यक्तित्व का परिचय दिया गया है।

व्याख्या → लेखक बताते हैं कि पहलवानतान की ढोलक कहानी का प्रमुख पात्र लुट्टन

सिंह मेला देखने श्यामनगर गया। वहाँ वह पहलवानों की कुश्ती और दाँव पेंच से अत्यधिक प्रभावित एवं आकर्षित हुआ। उसका मन बार-बार स कुश्ती के लिए आतुर हो रहा था। ढोल की आवाज ने व जवानी के खून ने उसके अंदर बिजली की धारा प्रवाहित कर दी और वह अपने आप को रोक नहीं सका। वहाँ उपस्थित "शेर के बच्चे" नाम से प्रसिद्ध पहलवान पहलवान को उसने चुनौती दे डाली और कुश्ती प्रारंभ कर दी।

विशेष :- (1) सधुक्कड़ी खड़ी बोली का प्रयोग दृष्टव्य है।

(2) दाँव-पेंच, सोचे-समझे जैसे सामासिक शब्दों का प्रयोग हुआ है।

(3) "बिजली उत्पन्न करना" मुहावरे का सटीक प्रयोग विद्यमान है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 21 उत्तर

सेवा में,
श्रीमान जिलाधीश महोदय
कलेक्ट्रेट ऑफिस
भोपाल, (म.प्र.)।

विषय :- ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने के सन्दर्भ में।

B
S
E

मान्यवर,
सविनय निवेदन है कि वार्षिक परीक्षा का समय नजदीक आ रहा हैं। सभी विद्यार्थी पूर्ण मनोयोग से तैयारी में जुटे हुए हैं परंतु ध्वनि विस्तारक यंत्रो के देर रात तक प्रयोग होने से अध्ययन में व्यवधान उत्पन्न होता है। सामुहिक जगहो पर देर तक ध्वनि विस्तारक यंत्रो के चलने से जन सामान्य आकुल-व्याकुल हो रहे हैं।
अतः आपसे निवेदन है कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रो पर परीक्षाकाल की अवधि में प्रतिबंध लगाने की कृपा करें। आपकी महती कृपा होगी।

धन्यवाद।
आपकी आज्ञाकारी शिष्या,
क, ख, ग
दिनाङ्क :- 02/03/2023

प्रश्न क्रमांक - 22
उत्तर

पर्यावरण की सुरक्षा

रूपरेखा :-
(1) प्रस्तावना
(2) पर्यावरण क्या है? - एक आधार
(3) पर्यावरण से होने वाले लाभ
(4) पर्यावरण दूषित होने के कारण
(5) पर्यावरण की सुरक्षा
(6) उपसंहार

साँस लेना भी मुश्किल हो गया है,
अब पर्यावरण इतना प्रदूषित हो गया है

(1) **प्रस्तावना :-** पर्यावरण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - परि + आवरण जिसका जिसका अर्थ होता है हमारे चारों ओर का वातावरण। पर्यावरण में अवांछनीय तत्वों का जल, ध्वनि, वायु के भौतिक, रसायनिक अवस्था में अवस्थ प्रस्थान से मानव जीवन को हानि पहुँचती है इसे ही पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

(2) **पर्यावरण - एक आधार** - पृथ्वी पर निवास करने वाले प्राणियों

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRAD
प्रश्न क्र.

जीव-जन्तुओं व समस्त क्रियाकलापों के संचालित होने का आधार पर्यावरण। पर्यावरण के दूषित होने से महामारी तक पनप सकती हैं।

कई लोग हैं बीमारी से त्रस्त
क्योंकि कर रहे पर्यावरण प्रदूषित

(3) **पर्यावरण से होने वाले लाभ** :- पर्यावरण हमारी गतिविधियों को संचालित करने के लिए खुला आवरण प्रदान करता है। हमारी राजनैतिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र वातावरण अर्थात पर्यावरण है। विभिन्न भोज्य पदार्थों की उपलब्धि का आधार है।

(4) **पर्यावरण दूषित होने के कारण**- चिमनियों एवं बड़े-बड़े कारखानों द्वारा विभिन्न गैसों के उत्पादन से पर्यावरण दूषित हो रहा है। परिवहनों का तेज गति से एवं अनावश्यक रूप से चलना पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

पर्यावरण है सबका आधार, सब है उपलब्ध यहाँ
यदि करोगे छेड़ बार-बार, नष्ट हो जाएगा सब यहाँ

B
S
E

क्र.

(5) <u>पर्यावरण की सुरक्षा</u> → पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु सामुहिक जागरूकता की आवश्यकता है। लोगों को अपने स्तर पर पर्यावरण को दूषित नहीं करना चाहिए। कारखानों को शहर के बाहर विस्थापित होना चाहिए। अनावश्यक बाह्न वाहनों का उपयोग न हो।

(6) <u>उपसंहार</u> :- पर्यावरण सभी की संपत्ति है। हम सभी को अपने प्रयासों द्वारा पर्यावरण को दूषित होने से बचाने में जनभागीदारी देनी चाहिए। जागरूकता अभियानों का संचालन किया जाना चाहिए

चलो हाथ से हाथ मिलायें
प्रदूषण को दूषित होने से बचायें

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -23
अथवा / उत्तर

संदर्भ → प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' के 'बादल राग' नामक पाठ से अवतरित हैं। इसके कवि वीणावादिनी के वरद पुत्र 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' जी हैं।

प्रसंग → प्रस्तुत पंक्तियों में निराला जी ने क्रांतिदूत बादलों का आह्वान किया हैं।

B
S
E

व्याख्या → कवि कहते हैं बादलों को आसमान में उमड़ते - घुमड़ते घुमड़ते देख कहते हैं कि ये क्रांतिदूत बादल जिस पर हवा सागर की लहरों के ऊपर तैरती रहती हैं उसी प्रकार मनुष्य के ऊपर भी दुःख की छाया मंडराती रहती सुखों के हैं। अर्थात सुखों का अभाव चंचल होता हैं। इन सभी अधीर मनुष्यों पर तेरी छाया माला की तरह आच्छादित हैं। कवि क्रांतिदूत बादलों की पुकार करते हुए कहते हैं कि तेरी सुहृद की नौका लोगों में आशा का संचार करती हैं अर्थात तेरी गर्जना से लोग अपने शोषण के अंत के सपने देखने लगते हैं।

हे बादल! तेरी ये गर्जना से लोग (कृषक) अधीर हो उठते हैं और उनकी आँखों में वर्षों से चला आरहा पूँजीपतियों द्वारा शोषण अंत होने की कगार

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF

क्र.

पर दिखता है ~~जिस~~ ठीक उसी तरह, जिस प्रकार धरती के तल में सोया अंकुर नन्हा पौधा वर्षा की तलाश ~~से~~ में आसमान की ओर ताकने लगता है।

विशेष :-
(1) तत्सम शब्दावली युक्त खड़ी बोली विद्यमान है।
(2) ओज गुण का संचार हुआ है।
(3) बिम्ब योजना सार्थक एवं सजीव है।
(4) काव्य में प्रतीकात्मकता है।
(5) बादलों को क्रांतिदूत माना गया है।
(6) समीर - सागर में अनुप्रास अलंकार है।